B.A. Part - III
Psychology Honours
Paper - VII

Page No. 01
Date 03/07/20

Research Methodology (शोध-प्रणाली)

Lecture No. 1 & 2

*Meaning of Research: शोध के लिए अंग्रेजी में (Research) शब्द का प्रयोग किया जाता है। रिसर्च मूल रूप से लैटिन के 'रि' अर्थात दुबारा और 'सर्च' अर्थात खोजना से बना है। वैज्ञानिक पद्धति द्वारा ज्ञान प्राप्त करने का निरंतर प्रयास ही शोध है।

भिन्न-भिन्न मनोवैज्ञानिकों ने 'शोध' को कुछ इस तरह से परिभाषित किया है:-

*ट्रेवर के अनुसार - "किसी नये ज्ञान की खोज अथवा किसी पुराने ज्ञान के पुष्टिकरण के लिए किये गये व्यवस्थित प्रयास को शोध कहते हैं।"

*पी० वी० यंग के अनुसार - "शोध एक ऐसी व्यवस्थित विधि है, जिसके द्वारा नये तथ्यों की खोज तथा पुराने तथ्यों की पुष्टि की जाती है, और उनके अनुक्रमों, परस्पर संबंधों, कारणात्मक व्याख्याओं एवं प्राकृतिक नियमों, जो उन्हें संचालित करते हैं, का अध्ययन किया जाता है।"

*करलिंगर के अनुसार - "वैज्ञानिक शोध, प्राकृतिक घटनाओं के बीच अनुमानित सम्बन्धों की खोज हेतु निर्मित परिकल्पनाओं का व्यवस्थित, नियंत्रित आनुभविक तथा आलोचनात्मक अनुसन्धान है।"

उपर्युक्त परिभाषाओं के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि शोध का संबंध तीनों कालों से है। इसी संदर्भ में कोठारी ने कहा है कि "शोध, वैज्ञानिक खोज की एक कला है" अर्थात किसी विशिष्ट विषय

Scanned with CamScanner

से सम्बन्धित ठोस एवं उपयुक्त जानकारी प्राप्त करने के लिए किया गया वैज्ञानिक एवं क्रमबद्ध अध्ययन ही शोध है।

* शोध की आवश्यकता :-

अनुसन्धान विभिन्न प्रकार की समस्याओं के समाधान खोजने की एक सुनियोजित एवं वैज्ञानिक विधि है। इसके अन्तर्गत सम्बन्धित समस्या के विभिन्न पक्षों के विषय में अनेक प्रकार की सामग्री (Data) एकत्र करके तथा उसका विधिपूर्वक विश्लेषण करके समस्या का समाधान प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है, जैसे- बालक झूठ क्यों बोलते हैं, महामारी क्यों होते हैं। कैंसर क्यों होते हैं आदि? (प्रश्न) ज्ञान के प्रत्येक क्षेत्र में ऐसी अनेक समस्याएँ सदैव उत्पन्न होती रहती हैं, ऐसे प्रश्न बराबर उभरते रहते हैं, जिनके उत्तर उपलब्ध नहीं होते। इन समस्याओं के समाधान एवं इन अनुत्तरित प्रश्नों के विश्वसनीय एवं वैध उत्तर प्राप्त करने की विधि ही अनुसन्धान है।

* शोध या अनुसन्धान का उद्देश्य :-

1. सत्य की खोज करना। छिपे हुए सत्य का पता लगाना।
2. नवीन तथ्यों की खोज करना या नवीन ज्ञान की प्राप्ति करना 3. किसी घटना के बारे में नई जानकारी प्राप्त करना
4. किसी विशेष स्थिति का सही वर्णन प्रस्तुत करना
5. समस्याओं का निदान या समाधान करना
6. वैज्ञानिक कार्यविधि के उपयोग द्वारा प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करना 7. विज्ञान पर आधारित वस्तुपरक ज्ञान प्राप्त करना 8. किन्हीं चरों के बीच कार्य-कारण संबंध को समझना और परीक्षण करना।

Scanned with CamScanner

9. किसी घटना के साथ सह-संबंध की जानकारी प्राप्त करना।
10. व्यवस्थित प्रयत्न द्वारा सिद्धांतों का निर्माण करना।

शोध को प्रेरित करने वाले चार प्रमुख तत्व :-

1. अज्ञात को जानने की जिज्ञासा
2. मौजूदा वाहन समस्या के कारणों और प्रभावों को जानने की इच्छा 3. आदत से परे होकर असली कारणों की खोज करने की इच्छा 4. नया खोजने और पुरानी वैज्ञानिक प्रक्रियाओं / विधियों को जाँचने की इच्छा।

शोध का महत्व :-

1. शोध हमारे ज्ञान का विस्तार करना है। 2. मानव समाज की समस्याओं के हल का रास्ता सुझाना है।
3. शोध से तार्किक और समीक्षा की दृष्टि मिलती है।
4. शोध के बिना ज्ञान और विकास में वृद्धि संभव नहीं है।
5. बदलती परिस्थितियों में तथ्यों की व्याख्या और पुनर्व्याख्या सिखाना है।

शोध के प्रकार :-

1. मौलिक शोध / विशुद्ध / शैक्षिक शोध :- इसमें नए सिद्धांतों की स्थापना पर बल दिया जाता है।
2. व्यवहारिक शोध :- किसी ज्ञात समस्या के समाधान के लिए इस मौलिक शोध के निष्कर्षों का प्रयोग किया जाता है।
3. क्रियात्मक शोध :- इसके शोध निष्कर्षों का प्रयोग किसी समस्या विशेष के निवारण में प्रयोग किया जाता है।
4. मात्रात्मक शोध :- यह शोध आँकड़ों पर आधारित होता है और इसका निष्कर्ष भी आंकड़ों द्वारा ही निर्धारित होता है।
5. गुणात्मक शोध :- इस शोध में चरों का उनके

Scanned with CamScanner

गुणों के आधार पर विश्लेषण किया जाता है। गुणात्मक से तात्पर्य है और संख्यात्मक डेटा संग्रहण या स्रोत या डेटा स्रोत की विशेषताओं पर आधारित स्पष्टीकरण।

शोध प्रक्रिया के चरण :- I विषय या समस्या का चुनाव (II) साहित्य समीक्षा (III) उद्देश्य (IV) परिकल्पना (V) शोध विधि और डिजाइन (VI) यादृच्छिक या प्रतिदर्श का चुनाव (VII) आंकड़ों का संग्रह (VIII) आँकड़ों का वर्गीकरण (IX) विश्लेषण और व्याख्या (X) शोध निष्कर्ष (XI) सारांश (XII) रिपोर्ट लेखन (XIII) संदर्भ सूची

शोध डिजाइन (Research Design) :- शोध को न्यूनतम समय श्रम तथा ऊर्जा के साथ प्रभावी तरीके तैयार करने के लिए शोध से पूर्व जो रूप रेखा (ब्लूप्रिन्ट) तैयार करते हैं उसे ही शोध डिजाइन कहते हैं।

शोध डिजाइन के मुख्य तीन सोपान होते हैं -

1. अवलोकन संबंधी 2. सांख्यिकी 3. क्रिया या प्रचालन संबंधी

शोध डिजाइन के प्रकार :-

प्रायोगिक :- प्रायोगिक शोध को कारण और प्रभाव संबंध अध्ययन भी कहा जाता है। इसका लक्ष्य परिकल्पना को तथ्यों की कसौटी पर कसना है। इसमें प्रयोगात्मक तथा नियंत्रित समूह का प्रयोग किया जाता है।

प्रायोगिक डिजाइन के निम्न प्रकार है -

1. एक्स-पोस्ट फैक्टो 2. पैनल स्टडी 3. क्वासी-प्रायोगिक

अन्वेषणात्मक :- पहले से मौजूद सिद्धान्त को और गहराई से अध्ययन करने के लिए अन्वेषणात्मक शोध-डिजाइन का प्रयोग किया जाता है। इसमें शोधकर्ता विषय को समझता है, ज्ञात खोजता है, अवधारणा निकालता है, शोध के उद्देश्य निर्धारित करता है परिकल्पनाओं को अंतिम रूप देता है और शोध की सीमाओं पर विचार

Scanned with CamScanner

करना है।

इसके लिए निम्नलिखित का प्रयोग किया जाता है -
1. साहित्य समीक्षा 2. सर्वेक्षण 3. केस स्टडी

वर्णनात्मक :- किसी स्थिति, समूह या व्यक्ति विशेष की विशेषताओं को जानने के लिए वर्णनात्मक शोध डिजाइन का प्रयोग किया जाता है। इसमें आंकड़ों का संग्रह निम्नलिखित के द्वारा होता है - साक्षात्कार, प्रश्नावली, और अनुसूची * दस्तावेज * सर्वेक्षण आदि।

धन्यवाद।

Dr. S.K. Suman
Asst. Professor
Dept. of Psychology
Marwari College, Darbhanga

Scanned with CamScanner